

प्र**क्षाचारण** 

#### EXTRAORDINARY

भाग II--- लग्ड 3--- उपलग्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 58]

**नई विल्ली, सोमवार, मार्च** 31, 1969/चैत्र 10, 1891

[No. 58]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 31, 1969/CHAITRA 10, 1891

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March 1969

G.S.R. 915.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 6 of the Bengal Finance (Sales Tax) Act, 1941 (Bengal Act 6 of 1941) as in force in the Union territory of Delhi, the Central Government hereby makes with effect from the 1st April, 1969, the following further amendment in the Second Schedule to the said Act, the same having been previously published in the Official Gazette as G.S.R. 436 dated the 12th February, 1969, as required by the said subsection namely:—

In the said Schedule, for item 29, the following item shall be substituted, namely:—

"29 Agricultural implements, including chaff cutters and parts thereof and Persian wheels and parts thereof"

[No. F. 16/32/68-UTL.]

K. R. PRABHU, Jt. Secy.

# गृह मंत्रालय

# प्र**धिंसूचि**ना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1969

सा० का० नि० 916.— बंगाल वित्त (वित्रय कर) प्रधिनियम, 1941 (1941 का बंगाल प्रधिनियम सं० 6) की जैसा कि वह दिल्ली संघ राज्यक्षेत्र में प्रवृत्त है, धारा 6 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम की दिनीय अनुसूची में पहली अप्रैल, 1969 से एतव् द्वारा निम्नलिखित प्रतिरिक्त संशोधन, जो उक्त उपधारा की प्रपेक्षानुसार सा० का० नि० सं० 436, तारीख 12 फरवरी, 1969 के रूप में शासकीय राजपन्न में पहले प्रकाशित किया जा चुका है, करती है, अर्थान्—

उक्त प्रनुसूची में मद सं० 29 के लिए निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाएगी, प्रयान्--

"29 कृषि उपकरण, जिनके श्रन्तर्गत चारा काटने की मशीनें भीर उसके भाग तथा रहट भीर उसके भाग हैं।"

[सं फा॰ 16/32/68-यू॰ टी॰ एल॰]

के० भार० प्रभु, संयुक्त समिव।